मंत्री शाह ने किया इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर का लोकार्पण

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बुधवार को खालवा विकासखंड के ग्राम रोशनी में 1.36 करोड़ रुपए लागत से विकसित इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर कलेक्टर ऋषव गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ डॉ. नागार्जुन गौड़ा सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मंत्री डॉ शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लखपति दीदी अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से यह परियोजना शुरू की गई है। इसके माध्यम से स्व-सहायता समूहों की महिलाएं मछली पालन, पशुपालन, बत्तख पालन, उद्यानिकी और जैविक खेती जैसी गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनजातीय वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण और जीवन स्तर सुधार के लिए लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम में मंत्री डॉ शाह ने ग्राम रोशनी में 19.78 करोड़ रुपए लागत से सामुदायिक कला भवन सह प्रशिक्षण केंद्र निर्माण की घोषणा भी की। इस केंद्र में 50-50 सीटर महिला एवं पुरुष छात्रावास बनाए जाएंगे। यहां आदिवासी युवाओं को लोक गायन, वादन, नृत्य, चित्रकला और अन्य पारंपरिक कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षकों के लिए ट्रांजिट छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने कहा कि इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर से जुड़ी 150 से अधिक महिलाओं को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक मजबूती से परिवार और समाज दोनों मजबूत होंगे।जिला पंचायत सीईओ डॉ नागार्जुन गौड़ा ने बताया कि यह परियोजना पर्यावरण अनुकूल और जीरो-वेस्ट मॉडल पर आधारित है। इसमें 14 बायो फ्लॉक टैंक, रिवर्स एक्वा सिस्टम, बड़े तालाब तथा आवलिया बांध के बैकवॉटर में 120 आधुनिक केज विकसित किए गए हैं। 50 एकड़ क्षेत्र में 16 महिला स्व-सहायता समूहों की 160 आदिवासी महिलाएं परियोजना से जुड़कर आय अर्जित करेंगी। उत्पादित मछलियों की आपूर्ति प्रदेश सहित बाहरी राज्यों तक करने की योजना भी बनाई गई है।

एक नजर

श्रमिकों के लिए साफ-ठंडा पानी, शेड की करें व्यवस्था

खण्डवा । कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने जिले के सभी विभागीय अधिकारियों तथा औद्योगिक संस्थानों और दुकानदारों को निर्देश दिए हैं कि वे भीषण गर्मी की स्थिति को देखते हुए, अपने संस्थान में कार्यरत मजदूरों के लिए ठंडे और शुद्ध पेयजल तथा शेड की व्यवस्था कराएं, ताकि मजदूरों को परेशानी न हो। उन्होंने मजदूरों के लिए की गई व्यवस्था के तहत पेयजल के पात्रों को ढंककर रखने के लिए कहा है, ताकि पेयजल दूषित न हो। उन्होंने ठेकेदारों को निर्माण स्थल पर ओआरएस के पैकेट पर्याप्त संख्या में रखने के निर्देश भी दिए हैं।

बड़गांवमाली में 125 लोगों की टीबी जांच

खंडवा। सघन टीबी उन्मूलन अभियान के तहत बुधवार को खंडवा विकासखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर बड़गांवमाली में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन से 125 लोगों की टीबी जांच की गई तथा स्पुटम सैंपल भी लिए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ओपी जुगतावत ने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिलेभर में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस दौरान जनपद सदस्य जयदीप पाटीदार ने निक्षय मित्र के रूप में टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरित किए। जिला क्षय अधिकारी डॉ शक्ति सिंह राठौड़ ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद पॉजिटिव मरीजों का तत्काल उपचार शुरू किया जाएगा। शिविर में ग्रामीणों को टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी भी दी गई।

विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

खंडवा। ओंकारेश्वर पावर स्टेशन के ऊर्जा विहार परिसर में 16 से 31 मई तक चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत सिद्धवरकूट शासकीय विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता विषय पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ विशालाक्षी मुद्रल ने विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी ।डॉ. मुद्रल ने विद्यार्थियों को नियमित हाथ धोने, स्वच्छ वस्त्र पहनने, शुद्ध पेयजल का उपयोग करने तथा आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत स्वच्छता अपनाने से कई बीमारियों से बचाव संभव है और स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता अत्यंत जरूरी है ।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने इस तरह के कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया ।इस अवसर पर मानव संसाधन विभाग के प्रभारी नवाब खान, विभागीय कर्मचारी, विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह ने सुनी किसानों समस्या

खंडवा। ग्राम अमलपुरा स्थित वेयरहाउस में गेहूं तुलाई में हो रही देरी को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह पुरनी किसानों से मिलने पहुंचे। उन्होंने किसानों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों से तत्काल समाधान की मांग की। प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने बताया कि किसानों ने कई दिनों से तुलाई नहीं होने और वेयरहाउस में अव्यवस्था की शिकायत की। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर दिनेश सावले ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वेयरहाउस भर जाने पर बाहर ही उपज की तुलाई कर ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था की जाए, ताकि किसानों को परेशानी न हो ।उत्तमपाल सिंह ने कहा कि किसानों को समय पर तुलाई और भुगतान मिलना उनका अधिकार है। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ता और ग्रामीणजन मौजूद रहे।

पंधाना नगर परिषद का 43 करोड़ का बजट पेश, जलकर बढ़ाने का प्रस्ताव

खंडवा। नगर परिषद पंधाना की साधारण सभा बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 43 करोड़ 44 लाख 55 हजार रुपए का अनुमानित बजट प्रस्तुत किया गया। बैठक में नगर विकास, स्वच्छता, पेयजल और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कई प्रस्तावों पर चर्चा हुई। पंधाना विधायक छाया मोरे ने विकास कार्यों में देरी और गुणवत्ता को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए ।बैठक में नए फायर ब्रिगेड वाहन, शव वाहन, इलेक्ट्रिक कचरा वाहन, स्ट्रीट लाइट के लिए स्काय लिफ्ट वाहन खरीदी तथा बस स्टैंड परिसर में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और रैन बसेरा निर्माण जैसे प्रस्ताव रखे गए ।बजट में राजस्व बढ़ाने के लिए घरेलू जलकर 100 रुपए से बढ़ाकर 150 रुपए प्रतिमाह तथा व्यावसायिक जलकर 200 रुपए से बढ़ाकर 400 रुपए प्रतिमाह करने का प्रस्ताव शामिल किया गया। इसके अलावा अन्य शुल्कों में भी वृद्धि प्रस्तावित की गई है ।विधायक छाया मोरे ने कहा कि स्वीकृत विकास कार्यों को समय सीमा में पूरा किया जाए और गुणवत्ता से समझौता न हो। उन्होंने पेयजल संकट और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताते हुए अधिकारियों को नियमित जलप्रदाय और सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ।नगर परिषद अधिकारियों के अनुसार बजट को संतुलित रखते

मूंदी में आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय में 'कमीशनखोरी' या लापरवाही?

बजट का रोना रो कर दिया जा रहा आधा भुगतान!

नवभारत न्यूज़

मूंदी। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ मानी जाने वाली आशा कार्यकर्ताओं के साथ मूंदी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत पिछले दो-तीन वर्षों से सौतेला व्यवहार और गंभीर वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मूंदी सीएचओ में आशा कार्यकर्ताओं को उनके जायज मानदेय और काम के बदले मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का महज आधा हिस्सा ही बैंक खातों में डाला जा रहा है। यह सीधे तौर पर स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर बड़े सवाल खड़े करता है।

बजट का बहाना, कार्यकर्ताओं का मानसिक शोषण-हैरानी की बात यह है कि जब भी आशा कार्यकर्ताएं अपने पूरे भुगतान की मांग करती हैं, तो उन्हें हर महीने विभाग के बाबू और जिम्मेदार यह कहकर टाल देते हैं कि अभी ऊपर से ही बजट नहीं आया है। इसी खोखले आश्वासन के सहारे पिछले 2-3 साल गुजार दिए गए। लेकिन इस पूरे मामले में सबसे मजबूत कड़ी यह है कि आशा कार्यकर्ताएं डिजिटल रूप से जागरूक हैं। वे हर महीने विभाग में जमा किए जाने वाले अपने बिल-वाउचर की फोटो और रिकॉर्ड अपने मोबाइल में सुरक्षित रखती हैं। वहीं दूसरी ओर, उनके खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर होने वाली राशि का बैंक स्टेटमेंट भी उनके पास मौजूद है। यदि किसी उच्च स्तरीय जांच दल द्वारा इन दोनों रिकॉर्ड्स का मिलान कर लिया जाए, तो स्वास्थ्य विभाग की बहुत बड़ी वित्तीय अनियमितता और धांधली उजागर होना तय है।

अधिकारियों की बेरुखी- 3-3 महीने नहीं मिलता पैसा-एक तरफ काम के बदले आधा दाम दिया जा रहा है, तो दूसरी तरफ वह आधा भुगतान भी समय पर नहीं मिलता। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दो-दो, तीन-तीन महीने तक मानदेय अटका कर रखा जाता है। जमीनी स्तर पर दिन-रात दौड़ने वाली इन महिलाओं का घर कैसे चलेगा, इसकी चिंता न तो जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को है और न ही भोपाल में बैठे आला अफसरों को। विभाग में आखिर क्या खिचड़ी पक रही है, इस पर किसी बड़े अधिकारी का ध्यान तक नहीं है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या अधिकारी सिर्फ वर्तमान के 3 महीनों की जिम्मेदारी लेंगेड़ पिछले 3 साल से जो कार्यकर्ताओं का हक मारा जा रहा है, क्या उसकी फाइलें और रिकॉर्ड संस्थान में मौजूद नहीं हैंड़ अकाउंटेंट पर पल्ला झाड़कर बीएमओ अपनी जवाबदेही से नहीं बच सकते।

इस पूरे मामले में स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ को तत्काल इस गंभीर धांधली को संज्ञान में लेना चाहिए। मूंदी सीएचओ के पिछले 3 वर्षों के आशा भुगतान के डिजिटल और फिजिकल रिकॉर्ड को सीज कर एक निष्पक्ष जांच कमेटी बैठाई जानी चाहिए, ताकि आशा कार्यकर्ताओं को उनका हक मिल सके और सरकारी बजट में सेंध लगाने वाले दोषियों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई हो सके।

जिम्मेदारों के गैर-जिम्मेदाराना बोल-

मुझे सिर्फ इतना पता है कि पिछले तीन माह से जो पेमेंट नहीं हुआ है, वह बजट के अभाव में रुका है, लेकिन इसके पहले का बाकी पेमेंट आधा क्यों डाला गया या क्यों नहीं किया गया, इस बारे में मैं कुछ नहीं बता सकता। मुझे यहाँ आए सिर्फ 3 महीने ही हुए हैं। इस बारे में आप अकाउंटेंट से पता कीजिए।

-आनंद ओंणकर बीएमओ, मूंदी

कलेक्टर गुप्ता ने डाभिया में लगाई चौपाल, पंचायत में सुनीं जनसमस्याएं

ग्राउंड जीरो पर खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता

नवभारत न्यूज़

खण्डवा। ग्रामीण अंचल की समस्याओं के जमीनी स्तर पर त्वरित निराकरण और शासकीय योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने के उद्देश्य से खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने एक अनूठी पहल की है।

कलेक्टर गुप्ता ने मंगलवार रात्रि में खालवा विकासखण्ड के सुदूर ग्राम डाभिया के पंचायत भवन परिसर में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ ग्रामीणों की शिकायतों का मौके पर ही निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए, बल्कि गांव में ही रात्रि विश्राम भी किया। इस विशेष चौपाल में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा और एसडीएम हरसूद श्री रमेश खतेड़िया सहित विभिन्न विभागों के जिला व जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे ।रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने बेबाकी से अपनी समस्याएं कलेक्टर के समक्ष रखीं। ग्रामीणों ने बताया कि नजदीकी ग्राम रोशनी के सरकारी अस्पताल में पेयजल की भारी किल्लत बनी रहती है और वहां के शौचालय भी अत्यंत गंदे रहते हैं, जिससे मरीजों और परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर श्री गुप्ता ने एसडीएम को तत्काल उसी रात रोशनी अस्पताल का औचक निरीक्षण करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसडीएम नियमित रूप से अपने क्षेत्र के शासकीय अस्पतालों में साफ-सफाई की गुणवत्ता और पानी की उपलब्धता की समीक्षा करें ।चौपाल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले राशन की समीक्षा भी की गई। ग्रामीणों द्वारा गेहूं और चावल की खराब गुणवत्ता की शिकायत किए जाने पर कलेक्टर ने एसडीएम को खाद्यान्न की जांच करने के निर्देश दिए। इस दौरान कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने पात्रता पर्ची के नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि अंत्योदय योजना के तहत प्रति परिवार 30 किलो गेहूं व 5 किलो चावल तथा अन्य पात्र परिवारों को प्रति सदस्य 4 किलो गेहूं व 1 किलो चावल दिया जाता है ।कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्रामीणों से जल संरक्षण की अपील करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना आवश्यक है। उन्होंने नलजल योजना के पानी को व्यर्थ न बहाने, नलों में टोंटी लगाने और पक्के मकानों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने की बात कही ताकि वर्षा का जल सीधे भूजल संवर्धन के काम आ सके। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए उन्होंने महिलाओं में आयरन की कमी दूर करने के लिए शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से मिलने वाले फोर्टिफाइड चावल का उपयोग करने का आग्रह किया। चौपाल के अंत में महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर ने लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लाभों के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी।

भगवान नरसिंह 'दहेज' लेकर करेंगे कन्यादान

गणेश गौशाला में उमड़ रही आस्था की भीड़

नवभारत न्यूज़

खंडवा। भीषण गर्मी, 43 डिग्री तापमान और दोपहर का समयज्इसके बावजूद दादाजी दरबार रोड स्थित गणेश गौशाला में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। माथे पर न शिकन, न थकान, बल्कि हर चेहरे पर भक्ति और उत्साह दिखाई दे रहा है। अवसर है पांच दिवसीय प्रसिद्ध धार्मिक कथा नानी बाई रो मायरो का, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर आध्यात्मिक वातावरण में डूब रहे हैं ।गणेश गौशाला परिसर इन दिनों भक्ति, संगीत और सजीव झांकियों से पूरी तरह भक्तिमय बना हुआ है।

कथा का मुख्य आकर्षण भगवान नरसिंह द्वारा दहेजलेकर निर्धन कन्या नानी बाई का कन्यादान करने की भावपूर्ण प्रस्तुति है। कथा के इस अनूठे प्रसंग को देखने और सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि कथा का वाचन प्रसिद्ध युवा संत कृष्णप्रियाजी द्वारा किया जा रहा है। उनकी सरल, सहज और भावपूर्ण वाणी, सजीव अभिनय, नाट्य प्रस्तुति, संगीत मंडली और झांकियां श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रही हैं। उन्होंने बताया कि कृष्णप्रियाजी देश के चारों धाम सहित 15 से अधिक प्रमुख धार्मिक स्थलों पर कथा कर चुकी हैं और अब तक 1700 से अधिक कथाओं का वाचन कर चुकी हैं। करीब 500 कथाओं का विभिन्न चैनलों पर सीधा प्रसारण भी हुआ है ।कृष्णप्रियाजी ने खंडवा की धरती को आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर बताते हुए कहा कि दादाजी महाराज की तपोभूमि में कथा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि उनका दादाजी महाराज, गौसेवा और मां नर्मदा के प्रति विशेष लगाव रहा है तथा समाज में आध्यात्मिकता और सेवा भावना का संदेश देना उनका उद्देश्य है ।कथा आयोजन समिति के संयोजक आशीष चटकेले ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। विशाल डोम में 35 से अधिक जंबो कूलर, सैकड़ों पंखे और स्प्रिंकलर के माध्यम से शीतल वातावरण बनाया गया है, जिससे भीषण गर्मी में भी श्रद्धालु आराम से कथा का आनंद ले पा रहे हैं ।आयोजकों के अनुसार कथा के पहले दिन से ही पंडाल पूरी तरह भर रहा है। नानी बाई रो मायरोकथा भले ही लोगों ने पहले भी कई बार सुनी हो, लेकिन कृष्णप्रियाजी की प्रस्तुति, शब्दों का प्रभाव और भक्ति से सराबोर वातावरण श्रद्धालुओं को बार-बार आकर्षित कर रहा है।

एक नजर

पंचायत में विकास के नाम पर बंटे सरकारी पैसे, बिना रेत-सीमेंट के बना दी 'पक्की' नाली!

6 साल से अधूरे काम, लाखों डकार गई सरपंच-सचिव की जुगलबंदी!

नवभारत न्यूज़

पंधाना। ग्राम पंचायत बलरामपुर में सरपंच, सचिव और उपयंत्री की मिलीभगत से सरकारी धन की खुली लूट का मामला सामने आया है। नियमों को ताक पर रखकर हर खरीदी के पक्के त्रस्ज्ञ बिल की जगह कच्चे और फर्जी बिलों के सहारे लाखों रुपयों का भुगतान अपने चहेतों को कर दिया गया, जिससे शासन को गहरा चूना लगा है। पहला मामला हनुमान मंदिर से टूटला के घर तक सीसी रोड सह नाली निर्माण का है। इसकी स्वीकृत राशि लगभग दो लाख रूपय थी ।इस कार्य में एक व्यक्ति के नाम से ड़320 के भाव से 200 बोरी सीमेंट का 64,000 का फर्जी कच्चा बिल लगाया गया।

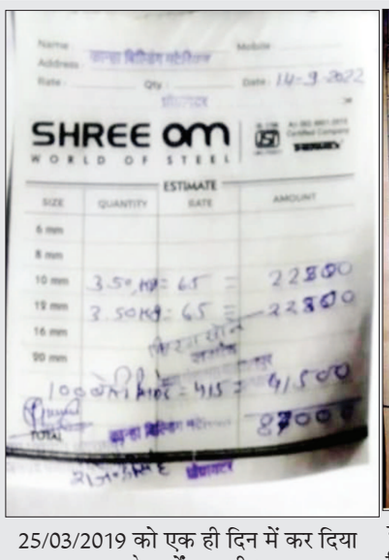

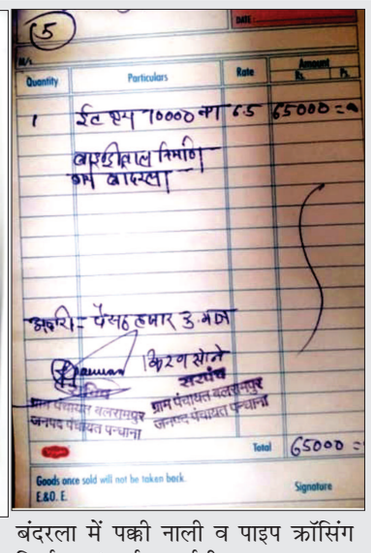

इसी तरह गिट्टी के लिए 67,500 व 18,900 और रेत के लिए 48,000 का भुगतान यूटीआर नंबर र 65774488 से 25/03/2019 को एक ही दिन में कर दिया गया। भुगतान के वर्षों बाद भी आज तक इस कार्य का पूर्णता प्रमाण पत्र जारी नहीं हुआ है। भ्रष्टाचार का सबसे अनोखा कारनामा बंदरला में पक्की नाली व पाइप क्रॉसिंग निर्माण (वर्क आईडी 101021316, स्वीकृत राशि 51,000) में दिखा। पंचायत ने स्वीकृत दिनांक से अब तक ड़50,000 खर्च कर दिए। इसमें दीपक पटेल को 30,000 और शिवकरण सूरतिया को ड़20,000 का भुगतान एक ही यूटीआर नंबर से किया गया। हैरानी की बात यह है कि दोनों बिलों में सिर्फ 20-20 पाइप और मजदूरी दर्शाई गई है।

जनता हैरान है कि बिना ईंट, सीमेंट, रेत और गिट्टी के पक्की नाली हवा में कैसे बन गई और उपयंत्री ने इसका मूल्यांकन कैसे कर दियाड़यही नहीं, प्राथमिक शाला बलरामपुर और बादरला में बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए भारी-भरकम राशियां कच्चे बिलों पर एक ही दिन में निकाल ली गईं, लेकिन 6 साल बीतने के बाद भी काम अधूरे हैं। बच्चों की सुरक्षा रामभरोसे है। इस खुली लूट पर सहायक यंत्री और जनपद सीईओ की चुप्पी उनकी संलिप्तता पर सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

यात्री बसों में मिली सुरक्षा खामियां

रातभर चला पुलिस का सघन जांच अभियान

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले में रात्रिकालीन गश्त और यातायात सुरक्षा अभियान पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र तारणेकर के मार्गदर्शन में लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उप पुलिस अधीक्षक यातायात अनिल कुमार राय, आरक्षक आशीष गंगवाल एवं चीता मोबाइल टीम ने बुधवार रात विभिन्न यात्री बसों की सघन जांच की। जांच के दौरान बसों के वैध दस्तावेज, फिटनेस, परमिट, फर्स्ट एड एवं सेफ्टी किट, अग्निशमन यंत्र, इमरजेंसी गेट सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया।

पुलिस टीम ने बस चालकों और परिचालकों को यातायात नियमों का पालन करने, ओवरलोडिंग से बचने तथा तेज गति से वाहन नहीं चलाने की समझाइश दी। वहीं स्लीपर बसों में सुरक्षा संबंधी कमियां पाए जाने पर 5 हजार रुपए का समन शुल्क भी वसूला गया। अधिकारियों ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए ।इसके अलावा थाना पिपलोद क्षेत्र के 45 किलोमीटर लंबे खंडवा-देडतलाई मार्ग पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए पुलिस द्वारा रोड ऑडिट किया गया। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, थाना प्रभारी पिपलोद एवं यातायात थाना की संयुक्त टीम ने हाल ही में दुर्घटना प्रभावित स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक कमियों को चिन्हित किया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एमपीआरडीसी के सहयोग से जल्द ही इन कमियों में सुधार कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार सड़क सुरक्षा एवं यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।